तर्ज-- मिलती है जिन्दगी में

मिलती है जिन्दगी में ये रातें कभी कभी
होती है राजश्यामा से बातें कभी कभी

1--मिलते नही है रोज यह गुलशन खिले हुए
खिलती है ऐसी चांदनी रातें कभी कभी

2--गर है तमन्ना दीद की महबूब के लिए
होती है अश्क बार ये आंखें कभी कभी

3-सजदे में सर झुकाने की फुरसत तुझे कहां
लगती है दिल में प्यार की घातें कभी कभी

4-कितनी तूं खुशनसीब है तुझे साथ मिल गया
निसबत से होती है मुलाकाते कभी कभी

Nijanand App